शनिवार, कानपुर, 29 मई, 2010

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

रेलवे का निजीकरण नहीं होने देंगे : बसंत

फर्रुखाबाद, (एसएनबी)। एनई रेलवे मजदूर यूनियन के जोनल सेक्रेटरी एवं इज्जतनगर मंडल के मण्डल मंत्री बसंत चतुर्वेदी ने आज सभी कार्यस्थलों पर कर्मचारियों के साथ बैठकें कर रेलवे में आ रही समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया। मंडल मंत्री ने कहा कि रेलवे निजीकरण की ओर बढ़ रहा है। ऐसा होने से हम लोग पैदल हो जायेगें। सरकार दिखावे की चाल चल रही है। जिसे हमलोग किसी कीमत पर बर्दास्त नहीं करेगें।

निजीकरण के विरोध में हमलोग चक्का जाम करेगें और हड़ताल पर चले जायेगें। फर्रुखाबाद जंक्शन पर रेल कर्मियों के साथ उन्होंने एक बैठक की और कर्मचारियों की समस्याओं को उठाकर छठें वेतन आयोग की रिपोर्ट में तमाम विसंगतियों को दूर कराये जाने की साथियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कर्मचारी के हितों के लिए फेडरेशन प्रयत्नशील है। वेतन आयोग में जो विसंगतियां है उनको दूर कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों को बातचीत में बताया कि हमलोग रेलवे के निजीकरण के विरोध में है। विभिन्न मांगों को लेकर हमलोग इस चालू माह में विरोध सप्ताह भी मना चुके है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि वर्तमान में लगभग 186000 पद विभिन्न कोटियों में रिक्त चल रहे। जबकि प्रयेक रेल बजट के साथ ही तमाम नई रेलगाड़ियों को चलाये जाने की घोषणा करते हुये संचालन किया जा रहा है। लेकिन इन सबके बाद भी कर्मचारियों की भरती नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर रेलमंत्री फेडरेशन को आश्वासन दे रही है कि रेलवे का निजीकरण नहीं होगा। वही दूसरी ओर बैकडोर से रेलों में निजीकरण की प्रक्रिया तेजी से पकड़ती जा रही है।

बैठक

- एनई रेलवे मजदूर यूनियन की बैठक में समस्याओं में हुआ विचार विमर्श
- मजदूरों के मौलिक अधिकारों को छीनने का कार्य कर रही सरकार : शिवगोपाल

उन्होंने इसके लिए कई उदाहरण भी बताये। उन्होंने कहा कि सरकार श्रम कानून संशोधन कर मजदूरों के मौलिक अधिकारों को छीनने का कार्य कर रही है। यदि ऐसा हुआ तो मजदूर फेडरेशन के महामंत्री शिवगोपाल मिश्रा के नेतृत्व में सांसद का घेराव कर अपना हक मांगेगें। उन्होंने कहा कि मजदूरों की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। उन्होंने रेलवे कर्मियों को उठाया और तमाम मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस दौरान अनिल कुमार द्विवेदी, सीडी अवस्थी, राघवेन्द्र बाजपेई, महेश चन्द्र, अजीत कुमार भट्ट, टीएन यादव, वाइके शाक्य, धर्मपाल, आरके वर्मा, श्यामबिहारी, रवीशंकर, रोहित कुमार, राजपाल सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

आज
29 मई , 2010

रेलवे का निजीकरण खतरे से खाली नहीं - बसन्त

(आज समाचार सेवा)

फर्रुखाबाद 28 मई । एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन के जोनल सेक्रेटरी बसन्त चतुर्वेदी ने कहा कि रेलवे विभाग को निजी हाथों में सौपा जाना खतरे से खाली नही है क्योंकि यदि आतंकवाद और नक्सलवाद रेलवे में घुस आये तो देश की आंतरिक सुरक्षा खतरे में पड़ जायेगी। रेलवे भारत सरकार का दूसरा हाथ है। यदि पार्सल यानों में आर.डी.एक्स. भर दिया जाये तो स्थिति क्या होगी कहा नही जा सकता।

पत्रकारों से वार्ता करते एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन के जोनल सेक्रेटरी बसन्त चतुर्वेदी व अन्य

फतेहगढ़ स्थित रेलवे विश्रामालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुये श्री चतुर्वेदी ने कहा कि रेलवे के निजीकरण की प्रक्रिया चल रही है जिसके तहत केवल माल ढोने के लिये मुम्बई से कलकत्ता और कन्याकुमारी से जम्बू तांबी के लिये ठेकों पर गाड़ियों का संचालन हो रहा है। इसमें ठेकेदारों के अपने कर्मी लगे हुये हैं। यह प्राइवेट मालिक लाभ भी अपने लिये ही चाहेंगे। ऐसे में रेलवे विभाग का बड़ा घाटा होगा क्योंकि सवारी गाड़ियों से लाभ नही होता। रेलवे विभाग की आय का मुख्य साधन माल ढुलाई है। उन्होंने कहाकि भले ही संचालन कोई भी करे लेकिन ट्रेक पर मालिकाना हक रेलवे का ही होना चाहिये। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि अबतक रेलवे विभाग का जो हिस्सा निजी हाथों में गया उसके कार्य की गुणवत्ता समाप्त हो गयी। चाहे वह आई.आर.सी.पी.सी. द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा भोजन हो या टिकट वितरण प्रणाली सभी कार्यों में रेलवे की अपेक्षा गिरावट ही आयी है। रेलवे को निजी हाथों में सौंपे जाने की प्रक्रिया चल रही है जिससे देश की अर्थ व्यवस्था को तगड़ा झटका लगेगा। मजदूर यूनियन मांग करती है कि रेलवे पर रेलवे का ही मालिकाना हक हो। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि छटे वेतन आयोग की विसंगतियों को दूर करने का संघर्ष यूनियन द्वारा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहाकि ग्रुप डी में एक लाख छियासी हजार रिक्तियां पड़ी हैं। जिन्हें रेलवे कर्मचारियों के बच्चों को नौकरी देकर भरा जाना चाहियें जिससे बेरोजगारी की समस्या किसी हद तक दूर होगी और रेलवे का संचालन भी ऊर्जावानह होगा। इस मौके पर मिहिर भट्टाचार्य, ए.के. द्विवेदी, रोहित कुमार, रविशंकर राव आदि मौजूद रहे।

नहीं किया जायेगा ।

रेलगाड़ियों के अनुपात में रेलकर्मियों की संख्या भी बढ़ाये जाने की हुयी मांग

छठे वेतन आयोग की विसंगतियों को दूर कराने के लिये सघर्ष जारी

(आज समाचार सेवा)

फर्रुखाबाद 28 मई । आल इण्डिया मेन्स फेडरेशन के जोनल सेक्रेटरी इज्जत नगर मंडल के मंत्री बसंत चतुर्वेदी ने कर्मचारियों की सभा को सम्बोधित करते हुये रेलवे स्टेशन पर कहा कि प्रत्येक रेल बजट में रेल गाड़ियों की संख्या में इजाफा कर दिया जाता है और गाड़ियों में कोच बढ़ाने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन उस अनुपात में रेल कर्मचारियों की भर्ती नही हो रही है जिससे रेलों के संचालन में भारी दिक्कते आ रही है। स्टाफ को १८-१८ घण्टे लगातार ड्यूटी करनी पड़ती है जिससे दुर्घटनाओं को संभावना बढ़ जाती है इसलिये गाड़ियों व कोचों के अनुपात में रेलवे कर्मियों की संख्या में भी वृद्धि होनी चाहिये । उन्होने कहा कि एक ओर रेल मंत्री द्वारा फेडरेशन को यह आश्वासन दिया जा रहा है कि रेलवे का निजीकरण नही होगा लेकिन दूसरी ओर बैक डोर से रेल के निजीकरण की प्रक्रिया जेती पकड़ रही है उदाहरम स्वरुप टिकट बिक्री का कार्य व माल ढुलाई का कार्य , पार्सल यानों को लीज पर दिया जाना , आई आर सी टी सी के माध्यम से खाने की व्यवस्था निजी हाथों में पहुंच गयी यह कार्य निजी ठेकों पर कराये जा रहे है जब कि इन कार्यो में रेलवे विभाग भर्ती करके बेरोजगारी को काफी हद तक दूर कर सकत थी । उन्होने कहा कि सरकार की दोहरी नीति का नतीजा है कि कर्मचारियों पर काम बढ़ रहा है । जिससे श्रम कानून का उलंघन व मजदूरों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है ।

उन्होने कहा कि यदि मांगे न मानी गयी तो आल इडिया मेन्स फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में संसद का घेराव किया जायेगा । फेडरेशन अपने हक के लिये कुछ भी कर गुजरने को तैयार है उन्होने कहा कि संसद में मजदूरों की आवाज उठाने वाला कोई नही है ।

छठे वेतन आयोग में मूल वेतन में ४० प्रतिशत बढ़ोतरी का लाभ मिला था किन्तु मंहगाई की मार ने मजदूर को पुन उसकी पुरानी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है । उन्होने बताया कि दस सूत्रीय मांग पत्र को लेकर फेडरेशन की जगह जगह पर सभायें हो रही है इन मांगों में आर्टिजन कर्मचारियों के ग्रेड में संशोधन , छठे वेतन आयोग में उत्पन्न विसंगतियों को दूर करना , २४०० से २८०० ग्रेड वाले कर्मचारियों को ए सी थ्री का पास दिया जाना , ४२०० ग्रेड वाले सभी कर्मियों को ए सी टू टियर का पास दिया जाना , रेलवे कर्मचारियों के बच्चो को इंटर तक निशुल्क शिक्षा दिलाया जाना , ट्रेक मैन , गेट मैन , ट्राली मैन इत्यादि को ड्रेस उपलब्ध कराया जाना व धुलाई भत्ता दिया जाना , दूरन्तों ट्रेन में कर्मचारियों के पास पर यात्रा करने की सुविधा व वरिष्ठ स्टेनों ग्राफर को ४६०० पे ग्रेड दिलाने की मांगे प्रमुख है । इस मौके पर अनिल कुमार द्विवेदी , सी डी अवस्थी , शाखा मंत्री राघवेन्द्र वाजपेयी , महेश चन्द्र , अजीत कुमार भट्ट , टी एन यादव , बाई के शाक्य , धर्मपाल , आरके वर्मा , श्याम बिहारी , राज पाल सिंह यादव , मीर भट्टाचार्य , रोहित कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

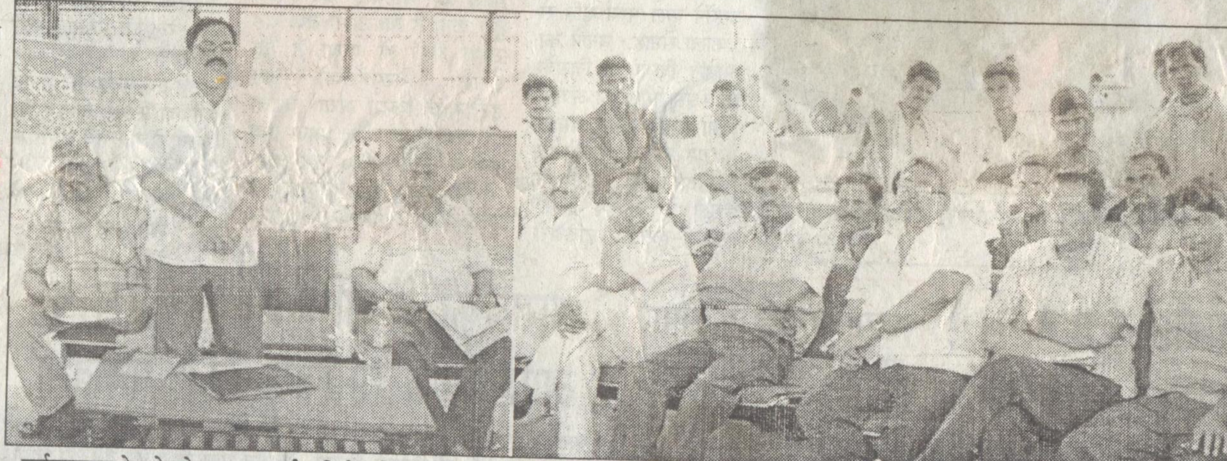

फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर कर्मचारियों को सम्बोधित करते बसंत चतुर्वेदी व उपस्थित अन्य नेता ।

दैनिक जागरण
बरेली, 27 मई, 2010

आखिरी दिन भी तल्ख रहे रेलवे यूनियनों के तेवर

बरेली : वेतन विसंगतियों और रोजमर्रा की समस्याओं के खिलाफ आयोजित विरोध सप्ताह के आखिरी दिन भी एआईआरएफ पदाधिकारियों के तेवर तल्ख रहे। सरकार को निशाने पर लेते हुए रेल कर्मचारियों ने मांगों के लिए अग्रिम रणनीति पर मंथन किया। बरेली जंक्शन पर बैठक की अध्यक्षता करते हुए मेंस यूनियन के अध्यक्ष चेतन स्वरूप शर्मा ने कहा कि सरकार को हमारी समस्याओं का निराकरण करना ही होगा। गोविंद सिंह चौहान, परविंदर सिंह, सतीश चंद्र शर्मा, शिवलाल, बृजमोहन सिंह, आशीष कुमार सक्सेना, मनोज कुमार सिंह, मनोज पुष्करणा, राजेश दुबे सहित बैठक में मौजूद सैकड़ों रेलकर्मियों ने कहा कि वे इसके लिए आर-पार की लड़ाई को तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि एआईआरएफ के बैनर तले रेलकर्मी गत 17 मई से विरोध सप्ताह मना रहे थे। उधर एनई रेलवे मजदूर यूनियन ने भी विरोध सप्ताह समापन के अवसर पर बैठक कर आंदोलन की चेतावनी दी।